टोकन धनराशि लेकर बड़े उद्यम कराएं स्थापित : नन्दी

राब्यू, जागरण● लखनऊः पूर्वांचल व बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे अब टोकन धनराशि देकर उद्यम स्थापित किए जा सकेंगे। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अधिकारियों को दोनों एक्सप्रेसवे के किनारे टोकन धनराशि देकर एंकर यूनिट स्थापित कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, इन एक्सप्रेसवे से सटे क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए यह महत्वपूर्ण है। इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मंत्री ने कालिदास मार्ग स्थित अपने कैंप कार्यालय में औद्योगिक विकास विभाग के विभिन्न अनुभागों की योजनाओं व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। स्वामी विवेकानंद सशक्तीकरण योजना के तहत टैबलेट वितरण तय समयसीमा में पूर्ण कराने का निर्देश दिया। कहा, प्रदेश में स्थित भारत सरकार की ऐसी संपत्तियों का सर्वेक्षण कराया जाए, जो खाली हैं। भारत सरकार से समन्वय स्थापित कर ऐसी संपत्तियों पर उद्योग स्थापित कराए जाएं। ऐसे क्षेत्र जहां पर औद्योगिक विकास की गति धीमी है, वहां कंपनियों को टोकन मनी व सस्ती दर पर जमीन देकर उद्योगों की स्थापना का प्रयास किया जाए। बैठक में सीईओ इन्वेस्ट यूपी विजय किरण आनंद, विशेष सचिव औद्योगिक विकास चंद्र विजय आदि मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण की बढ़ाएं गतिः औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में और गति लाने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने कहा कि कार्य निर्धारित समय पर पूरा किया जाना चाहिए, इसके लिए साप्ताहिक समीक्षा की जाए।

बुधवार को पिकप भवन स्थित सभागार में मंत्री ने उप्र एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य कार्य की जानकारी दी।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी अपने आवास पर अफसरों संग बैठक करते● सूचना विभाग

जर्मनी के साथ साझेदारी के लिए इन्वेस्ट यूपी की पहल

इन्वेस्ट यूपी ने जर्मनी से निवेश आकर्षित करने की भी पहल की है। इसके लिए जर्मनी डेस्क स्थापित की गई है। इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों ने जर्मनी के राज्य बवेरिया की निवेश एजेंसी इन्वेस्ट इन बवेरिया के साथ वर्चुअल बैठक की। इन्वेस्ट यूपी अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में बवेरिया की ओर से जान कोटवाल व श्रीकांत एस ने क्षेत्र के गतिशील निवेश पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी दी। बताया कि बवेरिया यूरोपीय संघ की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और वहां 130 से अधिक भारतीय कंपनियां सक्रिय हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 की तैयारियों में एक सहयोगी ढांचा विकसित करने पर भी चर्चा हुई। साझेदारी के लिए जिन प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया गया, उनमें आटोमोटिव व मोबिलिटी, डिफेंस व एयरोस्पेस, मेडिकल टेक्नोलाजी व बायोटेक्नोलाजी शामिल हैं। चौधरी ने प्रदेश की निवेश नीतियों की जानकारी दी।